डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

दिनांक : 15.09.2017

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)

इन्डोनेशियाई रामलीला ने मंत्रमुग्ध किया संत महंतो सहित शैक्षणिक वर्ग को

डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में इन्डोनेशियाई कलाकारों द्वारा संगीतबद्व रामलीला के प्रस्तुतीकरण पर सभागार में उपस्थित अयोध्या के संत समाज के साथ–साथ सभागार में उपस्थित अतिथिगण और शैक्षणिक जगत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र एवं शिक्षक मंत्रमुग्ध से दिखे।

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित की पहल पर अयोध्या शोध संस्थान, डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्य ालय, श्री सरयू अवध बालक सेवा समिति तथा आई0सी0सी0आर0 नई दिल्ली के संयुक्त प्रयासों से आयोजित रामलीला के प्रस्तुतीकरण के समय सभागार में क्षमता से अधिक दर्शक उपस्थित दिखे। आलम यह था कि सभागार की सीढियां तक दर्शकों से खचाखच भरी रही। कलाकारों की एक–एक भाव भंगिमा एवं नृत्य मुद्रा पर सभागार लगातार तालियों की गडगडाहट से गूंजता रहा।

विश्वविद्यालय के सभागार में अपरान्ह 12:30 बजे से आयोजित इन्डोनेशियाई रामलीला के प्रारम्भ होने से पूर्व निदेशक, अयोध्या शोध संस्थान डा0 वाई0पी0 सिंह ने पी0पी0टी0 प्रजेन्टेशन के माध्यम से शोध संस्थान द्वारा विगत दशक भर में भारतीय संस्कृति एवं पुरातातविक धरोहरों के संदर्भ में वैश्विक स्तर से किए गए शोध कार्यो से दर्शकों को परिचित कराया।

कार्यक्रम का प्रारंभ कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित द्वारा प्रस्तुत स्वागत भाषण से किया गया। कुलपति ने अयोध्या से आए संतों, मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित नगर विधायक श्री वेद प्रकाश गुप्ता सहित सभागार में उपस्थित जिले के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, छात्रों और इन्डोनेशिया सेआए कलाकारों का स्वागत करते हुए बताया कि इन्डोनेशिया में भारतीय संस्कृति की जडे कितनी गहरी हैं जिसका अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि इन्डोनेशिया मे राष्ट्रपति आज भी श्रीराम की चरण पादुका की धूलि की शपथ लेते हुए सत्ता ग्रहण करते हैं। उन्होने कहा कि इन्डोनेशिया जैसा मुस्लिम देश इस मामले में स्पष्ट है कि उनका धर्म मुस्लिम है किन्तु संस्कृति रामायण है। कुलपति ने कहा कि यह हम सभी के लिए अनुकरणीय है। इन्डोंनेशियाई कलाकारो के संस्कृति की एक झलक तब भी देखने को मिली जब प्रस्तुतीकरण की समाप्ति के उपरांत सभी कलाकारो ने मंच से उतरकर दर्शकदीर्धा में अग्रिम पंक्ति मे बैठे महंत श्री नृत्य गोपाल दास जी का चरणस्पर्श कर आर्शीवाद लिया।

रामलीला मंचन का उदघाटन करते हुए मुख्य अतिथि एवं नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय के वातावरण कितना सकारात्मक परिवर्तन आ गया है यह आज के कार्यक्रम से ही स्पष्ट है। उन्होने स्पष्ञ रुप से कार्यक्रम के आयोजन का श्रेय कुलपति को देते हुए कहा कि आज का कायक्रम यह भी बताने मे सक्षम है कि सांसकृतिक रुप से भारत कितना समृद्व है और उसकी परम्पराएं विश्व के तमाम देशों की कितनी विस्तारित है। मुख्य अतिथि के रुप में नगर विधायक का परम्परा से इतर स्वागत करते हुए कुलपति ने पुष्पगुच्छ प्रदान करने के स्थान पर श्री यतीन्द्र मिश्रा द्वारा संपादित एवं अयोध्या शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''फैजाबाद शहरनामा'' प्रदान किया।

भारतीय पारम्पिरक नृत्यशैली– कथकली, उड़सी, कत्थक इत्यादि की झलक लिए हुए इन्डोनेशियाई नृत्य शैली में कलाकारो ने लगभग 55 मिनट तक सीता–रावण संवाद, सीताहरण, सीता जी की खोज, रावण गरुण युद्व, राम गरुण संवाद, रावण हनुमान युद्व एवं राम द्वारा रावण का वध जैसे दृश्यों का मंचन किया। उक्त रामलीलाका नृत्य शैली में मंचन मात्र 5 कलाकारों की टीम द्वारा किया गया जिसमें अनक अगुंग राद लक्ष्मण की भूमिका में, आई

पुतु अस्तव सीता की भूमिका में, आई0क्यान अर्नवा हनुमान की भूमिका में, आई0 केतुत सुपर्णा रावण की भूमिका में एवं अनक अगुग गेडे अरिवान ने राम की भूमिका का निर्वहन किया।

इन्डोनेशियाई भाषा की रामायण में उपलब्ध प्रसंगों का मंचन करते हुए कलाकारों ने अपनी अदभुत भाव भंगिमा के साथ रामलीला के प्रस्तुतीकरण के साथ दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया। 55 मिनट के प्रस्तुतीकरण में सभागार में किसी भी प्रकार की हलचल नही नजर आई, गूंज रही थी, मात्र तालियों की आवाज या बैंकग्राउंड संगीत। निदेशक अयोध्या शोध संस्थान, वाई0पी0 सिंह ने सम्पूर्ण प्रस्तुतीकरण के समय एंकर की भूमिका का निर्वहन करते हुए बीच–बीच में मंच पर चल रहे प्रसंगों का विवरण दर्शको को दिया।

रामलीला की समाप्ति के उपरांत कुलपति ने सभी कलाकारों विश्वविद्यालय परिवार की तरफ से स्मृति चिन्ह एवं रामनामी उत्तरीय प्रदान कर सम्मानित किया। अयोध्या के संत महंतो ने भी स्टेज पर पहुंचकर कलाकारो का` आशीर्वाद दिया। रावण की भूमिका निभाने वाले आई केतुत सुपर्णा ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि रामलीला का मंचन करने वाले सभी कलाकार यह मान रहे हैं कि उनका जीवन आज धन्य हो गया, क्योंकि आज वह उस भूमि पर प्रस्तुतीकरण कर रहे हैं जिस भूमि पर श्री राम पैदा हुए। उन्होने कहा कि हमारी संस्कृति रामायण आधारित है और हमे इस पर गर्व है। कलाकारो ने महंत नृत्य गोपाल दास का चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। महंत नृत्य गोपाल दास जी ने कलाकारों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि अयोध्या की धरती पर आप सभी का स्वागत है, हम सभी आपको और आपके देशवासियों को हदय से आशीर्वाद देते हैं।

रामलीला मंचन की समाप्ति के उपरांत कलाकारो ने छात्र समुदाय से भी संवाद स्थापित किया और छात्रों के साथ जमकर सेल्फी और फोटोग्राफ खिचवाये। कार्यक्रम का अंत राष्ट्रगान से हुआ जिसके दौरान इन्डोनेशियाई कलाकार मंच पर लगातार नमस्ते की मुद्रा में खड़े रहे।

नोटः फोटो संलग्न है।

मीडिया प्रभारी